

कॉस्मिक नानी

जन्म कुंडली

नानी की लिखी रीडिंग

Meera Sharma जी के लिए

जन्म: 12 सितंबर 1996 · 6:20 AM · जयपुर, राजस्थान

नमूना रिपोर्ट · काल्पनिक व्यक्ति

cosmicnani.com

विषय-सूची

एक नज़र में आपकी कुंडली	3
आपका स्वभाव	4
अभी क्या चल रहा है	5
नौ ग्रह	6
बारह घर	8
अगले दस साल	10
साढ़े साती	13
मांगलिक	14
आपकी कुंडली के योग	15
नवांश (D9)	16
नानी की आख़िरी बात	17
आपके ज्योतिषी के लिए	18
इस रिपोर्ट के बारे में	20

एक नज़र में आपकी कुंडली

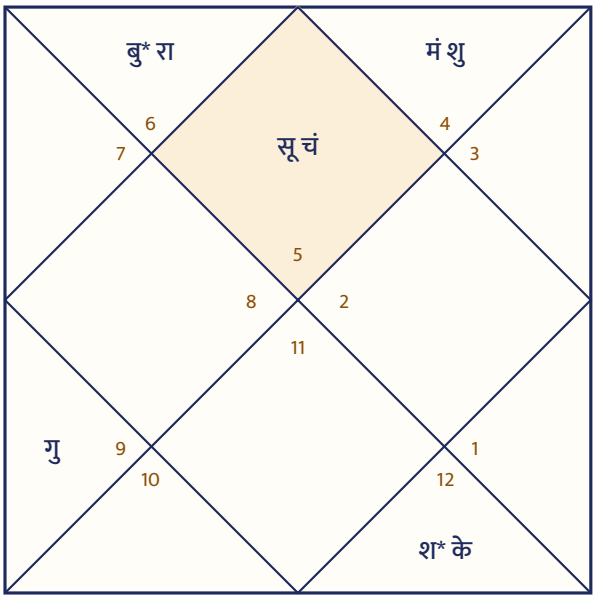

जन्म कुंडली (D1), उत्तर भारतीय ढंग से। ऊपर का हीरा लग्न है; बाकी घर उल्टी घड़ी की दिशा में चलते हैं। छोटे अंक राशियाँ हैं (1 मेष है)। * उल्टी चाल (वक्री)

लग्न
सिंह
उदय राशि

राशि
सिंह
चंद्र राशि

नक्षत्र
पूर्वा फाल्गुनी
चरण 1

अभी चल रही दशा
चंद्र · बुध
चंद्र 17 अगस्त 2029 तक · बुध 17 नवंबर 2026 तक

आपका स्वभाव

लग्न: सिंह

लग्न वह राशि है जो जन्म के समय पूर्व दिशा में उदय हो रही थी। आपका लग्न सिंह है, और इससे आपके स्वभाव में दिल की उदारता और खुलापन दिखता है। सिंह लग्न वाले लोग अक्सर अपने साथ दूसरों को भी आगे ले चलते हैं। आपके बारे में भी यही बात सामने आती है, कि आप दिल के बड़े हैं और सबको साथ लेकर चलते हैं। लग्न ही पहला घर है, जो आप ख़ुद, आपके स्वभाव और नज़रिए के बारे में बताता है। पहला घर सीधे आपसे जुड़ा है, इसलिए इसकी बातें आपके ही स्वभाव से शुरू होती हैं। लग्न के स्वामी सूर्य हैं। सूर्य आपके पहले घर में बैठे हैं, और वे अपनी ही राशि सिंह में हैं। इसलिए लग्न और उसका स्वामी दोनों आपके व्यक्तित्व के एक ही हिस्से में मिलते हैं। सूर्य अपनी ही राशि में होने से इस हिस्से को मज़बूत माना जाता है।

राशि: सिंह

आपकी चंद्र राशि सिंह है, यानी जन्म के समय चंद्रमा सिंह राशि में थे। चंद्रमा से आपके मन और भावनाओं का हाल देखा जाता है। चंद्रमा आपकी कुंडली के पहले घर में बैठे हैं, जो आप ख़ुद, आपका स्वभाव और नज़रिया दिखाता है। इसलिए मन की बातें आपके अपने व्यक्तित्व से गहराई से जुड़ी दिखती हैं।

सिंह में चंद्रमा की स्थिति मित्र राशि की है, इसलिए मन यहाँ सहज रहता है। चंद्रमा बारहवें घर के स्वामी भी हैं, जो आराम और दूर की जगहों से जुड़ा है। आपका नक्षत्र पूर्वा फाल्गुनी है, यानी वह आकाश का हिस्सा जहाँ जन्म के समय चंद्रमा थे। आपका चरण पहला है।

आपकी चंद्र राशि में स्वाभिमान और दिल की उदारता साफ़ दिखती है। आपको अपनी इज़्ज़त का ख़याल रहता है, और दूसरों के लिए दिल खुला रहता है। पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र से हँसमुख स्वभाव और रिश्तों में गर्मजोशी की बात जुड़ती है।

नक्षत्र: पूर्वा फाल्गुनी

आपका चंद्रमा पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के पहले चरण में है। नक्षत्र आकाश का वह हिस्सा है जहाँ जन्म के समय चंद्रमा था, और हर नक्षत्र के चार चरण होते हैं। जन्म के समय चंद्रमा इसी पहले चरण में था, इसलिए इसकी बातें आपके रोज़ के मिज़ाज में सीधे दिखती हैं। इस नक्षत्र में आपका मन आम तौर पर हँसमुख रहता है। लोगों के साथ रिश्तों में गर्मजोशी आपकी तरफ़ से आती है। चंद्रमा राशि सिंह में और पहले घर में है, इसलिए यह स्वभाव आपकी अपनी पहचान से जुड़ा है। आपका मिलनसार स्वभाव रिश्तों में सबसे पहले दिखता है। आपके आसपास के लोग अक्सर इस मुस्कान और अपनेपन को जल्दी पहचान लेते हैं। मैं कहूँगी कि यही इस नक्षत्र की सबसे साफ़ पहचान है।

अभी क्या चल रहा है

अभी आपकी चंद्र महादशा चल रही है। महादशा एक लंबा समय-काल है, जिसे एक ग्रह के नाम से पहचाना जाता है। यह दौर 18 अगस्त 2019 से 17 अगस्त 2029 तक है। चंद्र आपकी जन्म कुंडली के पहले घर में बैठे हैं, यानी आप ख़ुद, आपका स्वभाव और नज़रिया। वे बारहवें घर के स्वामी भी हैं, यानी उस घर के मालिक ग्रह, जो आराम और दूर की जगहों से जुड़ा है। इस महादशा में आपके अपने स्वभाव, मन और दिल की बातें ज़्यादा आगे आती हैं।

इस महादशा के भीतर अभी बुध की अंतर्दशा चल रही है। अंतर्दशा महादशा का छोटा हिस्सा है, जिसमें दूसरा ग्रह अपना समय लेता है। यह 18 जून 2025 से 17 नवंबर 2026 तक है। बुध दूसरे घर में बैठे हैं, जो परिवार, वाणी और बोलचाल से जुड़ा है। बुध ग्यारहवें घर के स्वामी भी हैं, जो दोस्तों और उम्मीदों से जुड़ा है। इसलिए इस समय बातचीत, परिवार के मामले और दोस्तों से मेल-जोल आगे आते हैं।

अभी आपकी साढ़े साती नहीं चल रही है। साढ़े साती शनि का लगभग साढ़े सात साल का समय है, जो चंद्र राशि से गिना जाता है। आज शनि मीन राशि में हैं। इसलिए अभी साढ़े साती का कोई चरण लागू नहीं है।

नौ ग्रह

सूर्य

सिंह · पहला घर · स्वराशि

सूर्य आपकी कुंडली में सिंह राशि में, पहले घर में बैठे हैं। राशि यानी आकाश का वह भाग जिसमें ग्रह बैठते हैं। सिंह सूर्य की अपनी राशि है, यानी स्वराशि, इसलिए सूर्य यहाँ मज़बूत माने जाते हैं। पहला घर आपके लग्न से गिना जाता है। लग्न यानी जन्म के समय उगती हुई राशि। यह घर आप ख़ुद, आपके स्वभाव और नज़रिए को देखता है, और सूर्य इसी घर के स्वामी भी हैं। नक्षत्र आकाश का वह हिस्सा है जहाँ जन्म के समय सूर्य थे, और सूर्य उसमें पूर्वा फाल्गुनी के चौथे चरण, यानी चौथे भाग में हैं। इससे लगता है कि आपको अपनी पहचान साफ़ रखना अच्छा लगता है। आप अपनी बात सीधे और खुलकर रखना पसंद करते हैं।

चंद्र

सिंह · पहला घर

चंद्रमा आपकी कुंडली में सिंह राशि में, पहले घर में बैठे हैं। लग्न यानी जन्म के समय उगती हुई राशि से गिना जाने वाला पहला घर आप ख़ुद, आपके स्वभाव और नज़रिए को देखता है। सिंह चंद्रमा के लिए मित्र राशि है, यानी वह राशि जिससे उनका मेल अच्छा बैठता है। चंद्रमा बारहवें घर के स्वामी भी हैं, यानी वह घर जो आराम और दूर की जगहों से जुड़ा माना जाता है। नक्षत्र आकाश का वह हिस्सा है जहाँ जन्म के समय चंद्रमा थे, और यही आपका नक्षत्र है। चंद्रमा पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के पहले चरण, यानी पहले भाग में हैं। आपको अपने सम्मान का ख़याल रहता है, और मन दिल से उदार माना जाता है। चंद्रमा से मन और भावनाएँ देखी जाती हैं, इसलिए आपके मन का मिज़ाज इसी से समझा जाता है।

मंगल

कर्क · बारहवाँ घर · कमज़ोर राशि (नीच)

मंगल आपकी कुंडली में कर्क राशि में हैं और लग्न से बारहवें घर में बैठे हैं। बारहवाँ घर ख़र्च, आराम और दूर की जगहों से जुड़ा माना जाता है। कर्क राशि में मंगल नीच माने जाते हैं, यानी इस राशि में उनकी ताक़त सबसे कम रहती है। मंगल आपके चौथे घर और नौवें घर के स्वामी हैं। चौथा घर घर, माँ और मन की शांति से जुड़ा है। नौवाँ घर धर्म, शिक्षक और लंबी यात्राओं से जुड़ा है। मंगल पुष्य नक्षत्र के दूसरे चरण में हैं। नक्षत्र आकाश का वह हिस्सा है जहाँ जन्म के समय यह ग्रह था। इससे घर, परिवार और मन की शांति से जुड़ी बातें आपके जीवन में आगे आती दिखती हैं।

बुध

कन्या · दूसरा घर · मज़बूत राशि (उच्च)

बुध आपकी कुंडली में कन्या राशि में हैं और लग्न से दूसरे घर में बैठे हैं। कन्या राशि में बुध उच्च माने जाते हैं, यानी इस राशि में उनकी ताक़त सबसे मज़बूत रहती है। बुध आपके दूसरे घर और ग्यारहवें घर के स्वामी हैं। दूसरा घर परिवार, वाणी और बचत से जुड़ा है। ग्यारहवाँ घर लाभ, दोस्तों और उम्मीदों से जुड़ा है। बुध उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के तीसरे चरण में हैं। नक्षत्र आकाश का वह हिस्सा है जहाँ जन्म के समय यह ग्रह था। जन्म के समय बुध उल्टी चाल में थे, यानी वे सीधी चाल की जगह उल्टी दिशा में चलते दिख रहे थे। इससे वाणी, बातचीत और दोस्तों से जुड़ी बातें आपके जीवन में आगे आती दिखती हैं।

गुरु

धनु · पाँचवाँ घर · स्वराशि

गुरु आपकी कुंडली में धनु राशि में हैं, जो उनकी अपनी राशि है। इसे स्वराशि कहते हैं, यानी ग्रह अपने ही घर में बैठा है। गुरु लग्न से पाँचवें घर में हैं, जो पढ़ाई, रचनात्मकता और संतान का घर माना जाता है। यानी आपकी पढ़ाई और रचनात्मक काम पर गुरु का ध्यान रहता है। गुरु पाँचवें और आठवें घर के मालिक भी हैं। आठवाँ घर बदलाव, खोज और छिपी बातों का है। इसलिए आपको सीखने, नई बातें समझने और चीज़ों की गहराई में जाने का मन करता है। गुरु पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के पहले चरण में हैं। नक्षत्र आकाश का वह हिस्सा है जहाँ जन्म के समय वह ग्रह था।

शुक्र

कर्क · बारहवाँ घर

शुक्र आपकी कुंडली में कर्क राशि में हैं, जो उनकी शत्रु राशि है। शत्रु राशि का मतलब है कि यह उनकी अपनी दोस्ती वाली जगह नहीं है। शुक्र लग्न से बारहवें घर में हैं, जो ख़र्च, आराम और दूर की जगहों का घर माना जाता है। वे तीसरे और दसवें घर के मालिक भी हैं। तीसरा घर हिम्मत, भाई-बहन और छोटी यात्राओं का है। दसवाँ घर काम और प्रतिष्ठा का है। इसलिए काम और प्रतिष्ठा से जुड़ी बातों में शुक्र का असर दिखता है। शुक्र पुष्य नक्षत्र के तीसरे चरण में हैं। पुष्य नक्षत्र आकाश का वह हिस्सा है जहाँ जन्म के समय शुक्र थे।

शनि

मीन · आठवाँ घर

शनि आपकी कुंडली में मीन राशि में आठवें घर में बैठे हैं। आठवाँ घर बदलाव, खोज और छिपी बातों का माना जाता है। शनि की राशि की ताक़त सम राशि है, यानी न बहुत मज़बूत और न कमज़ोर। शनि छठे घर के भी मालिक हैं, जो रोज़ के काम, सेवा और रुकावटें पार करने से जुड़ा है। सातवें घर के भी मालिक हैं, जो साझेदारी और विवाह से जुड़ा है। शनि उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तीसरे चरण में हैं। नक्षत्र आकाश का वह हिस्सा है जहाँ जन्म के समय वह ग्रह था। जन्म के समय शनि उल्टी चाल में थे। इससे यह दिखता है कि आप बातों की तह तक जाकर सोचते हैं। आपके रोज़ के काम और साझेदारी की बातों में शनि का असर दिखता है।

राहु

कन्या · दूसरा घर

राहु आपकी कुंडली में कन्या राशि में दूसरे घर में बैठे हैं। दूसरा घर परिवार, वाणी और बचत से जुड़ा है। राहु किसी घर के स्वामी नहीं हैं, इसलिए उनकी राशि के स्वामी को देखा जाता है। कन्या राशि के स्वामी बुध हैं, और बुध भी दूसरे घर में ही बैठे हैं। राहु हस्त नक्षत्र के दूसरे चरण में हैं। नक्षत्र आकाश का वह हिस्सा है जहाँ जन्म के समय वह ग्रह था। इसी वजह से परिवार की बातचीत और अपनी बात कहने के ढंग में राहु का असर दिखता है। बुध के साथ यह असर बोलचाल और घर की बातों में ख़ास तौर पर सामने आता है।

केतु

मीन · आठवाँ घर

केतु आपकी कुंडली में मीन राशि में है और आठवें घर में बैठा है। आठवाँ घर बदलाव, खोज और छिपी बातों का माना जाता है। यह घर अचानक बदलाव और गहरी खोज से जुड़ा है। केतु किसी घर का स्वामी नहीं है, इसलिए उसकी राशि के स्वामी को देखा जाता है। मीन राशि के स्वामी गुरु हैं, जो धनु राशि में, पाँचवें घर में बैठे हैं। केतु जन्म के समय उल्टी चाल में था। जन्म के समय केतु उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चौथे चरण में था। नक्षत्र आकाश का वह हिस्सा है जहाँ जन्म के समय केतु था। इससे आपको गहरी बातों को समझना अच्छा लगता है। आपका मन ऊपरी बातों से आगे, भीतर की बात तक जाना चाहता है।

बारह घर

पहला घर · सिंह

आप ख़ुद, आपका स्वभाव और नज़रिया

पहला घर सिंह राशि में है, और यह घर आप ख़ुद, आपके स्वभाव और नज़रिये को देखता है। इसके स्वामी सूर्य हैं, जो इसी घर में, सिंह राशि में बैठे हैं। इस घर में सूर्य के साथ चंद्र भी मौजूद हैं। इसलिए आपके स्वभाव में सूर्य और चंद्र दोनों की छाप दिखती है। आपको दूसरों को साथ लेकर चलना और दिल खोलकर बात करना अच्छा लगता है।

दूसरा घर · कन्या

परिवार, वाणी और बचत

दूसरा घर कन्या राशि में है, और यह परिवार, वाणी और बचत की बातें देखता है। इसके स्वामी बुध हैं, जो इसी घर में, कन्या राशि में बैठे हैं। बुध दूसरे और ग्यारहवें घर के स्वामी भी हैं, और वे कन्या राशि में उच्च के हैं। इस घर में बुध के साथ राहु भी हैं। जन्म के समय बुध उल्टी चाल में थे। इसलिए आपकी बोली, घर-परिवार और बचत से जुड़ी बातें इस घर के रास्ते सामने आती दिखती हैं।

तीसरा घर · तुला

हिम्मत, भाई-बहन और छोटी यात्राएँ

तीसरा घर तुला राशि में है, और यह हिम्मत, भाई-बहन और छोटी यात्राओं की बातें देखता है। इसके स्वामी शुक्र हैं, जो बारहवें घर में, कर्क राशि में बैठे हैं। शुक्र बारहवें घर में हैं, यानी ख़र्च, आराम और दूर की जगहों वाले घर में। शुक्र दसवें घर के स्वामी भी हैं। इस घर में कोई ग्रह नहीं है। हिम्मत, भाई-बहन और छोटी यात्राओं से जुड़ी बातें इसी तरह शुक्र की जगह से जुड़ी दिखती हैं।

चौथा घर · वृश्चिक

घर, माँ और मन की शांति

चौथा घर वृश्चिक राशि में है। यह घर आपके रहने का ठिकाना, माँ और मन की शांति को देखता है। इसका स्वामी मंगल है, और मंगल लग्न से बारहवें घर में कर्क राशि में बैठे हैं। इस घर में कोई ग्रह नहीं है। मंगल का यह स्थान इस घर की बातों को आराम और दूर की जगहों के विषयों से भी जोड़ता है। माँ के साथ का रिश्ता और मन का सुकून, दोनों इसी घर से देखे जाते हैं।

पाँचवाँ घर · धनु

संतान, पढ़ाई और रचनात्मकता

पाँचवाँ घर धनु राशि में है। यह घर संतान, पढ़ाई और रचनात्मकता की बातों को देखता है। इसका स्वामी गुरु है, और गुरु इसी घर में, धनु राशि में बैठे हैं। इस घर में केवल गुरु ग्रह हैं। गुरु अपनी ही राशि धनु में हैं, इसलिए वे मज़बूत स्थिति में हैं, और इस घर की बातें उनके सहारे आगे आती हैं। पढ़ाई, रचनात्मक काम और संतान से जुड़ी बातें इस घर से देखी जाती हैं।

छठा घर · मकर

रोज़ का काम, सेवा और रुकावटें पार करना

छठा घर मकर राशि में है। यह घर रोज़ के काम, सेवा और रुकावटें पार करने की बातों को देखता है। इसका स्वामी शनि है, और शनि लग्न से आठवें घर में मीन राशि में बैठे हैं। इस घर में कोई ग्रह नहीं है। शनि का यह स्थान इस घर की बातों को बदलाव, खोज और छिपी बातों से जोड़ता है। रोज़ के काम और सेवा से जुड़ी बातें इसी घर से देखी जाती हैं।

सातवाँ घर · कुंभ

साझेदारी और विवाह

आपका सातवाँ घर कुंभ राशि का है, और यह साझेदारी और विवाह को देखता है। इस घर के स्वामी शनि हैं, और शनि आठवें घर में मीन राशि में बैठे हैं। आठवाँ घर बदलाव, खोज और छिपी बातों का है, और मीन राशि भी उसी घर की राशि है। इसलिए साझेदारी से जुड़ी बातें शनि के ज़रिए आठवें घर की गहराई और खोज से भी जुड़ती दिखती हैं। इस घर में कोई ग्रह नहीं है।

आठवाँ घर · मीन

बदलाव, खोज और छिपी बातें

आठवाँ घर मीन राशि का है, और यह बदलाव, खोज और छिपी बातों को देखता है। इस घर में शनि और केतु बैठे हैं। शनि छठे और सातवें घर के स्वामी भी हैं। इस घर के स्वामी गुरु हैं, और गुरु पाँचवें घर में धनु राशि में बैठे हैं। पाँचवाँ घर संतान, पढ़ाई और रचनात्मकता का है। केतु कोई घर नहीं चलाते, पर केतु की राशि मीन के स्वामी भी गुरु ही हैं।

नौवाँ घर · मेष

धर्म, शिक्षक और लंबी यात्राएँ

नौवाँ घर मेष राशि का है, और यह धर्म, शिक्षक और लंबी यात्राओं को देखता है। इस घर के स्वामी मंगल हैं, और मंगल बारहवें घर में कर्क राशि में बैठे हैं। मंगल चौथे घर के स्वामी भी हैं, जो घर, माँ और मन की शांति का है। बारहवाँ घर ख़र्च, आराम और दूर की जगहों का है। इस घर में कोई ग्रह नहीं है, इसलिए इसकी बात इसके स्वामी मंगल और उनकी जगह से समझी जाती है।

दसवाँ घर · वृषभ

काम और प्रतिष्ठा

आपकी कुंडली का दसवाँ घर वृषभ राशि में है। यह घर आपके काम और आपकी प्रतिष्ठा को देखता है, यानी समाज में आपकी जगह और आपकी साख। इस घर के स्वामी शुक्र हैं, और शुक्र बारहवें घर में कर्क राशि में बैठे हैं। इस घर में कोई ग्रह नहीं है। शुक्र का बारहवें घर में होना बताता है कि आपके काम से जुड़ी बातों में आराम और दूर की जगहों का हिस्सा भी दिखता है।

ग्यारहवाँ घर · मिथुन

लाभ, दोस्त और उम्मीदें

आपकी कुंडली का ग्यारहवाँ घर मिथुन राशि में है। यह घर आपके लाभ, दोस्तों और उम्मीदों को देखता है, यानी वे बातें जो आपके मेल-जोल और आपकी आशाओं से जुड़ी होती हैं। इस घर के स्वामी बुध हैं, और बुध दूसरे घर में कन्या राशि में बैठे हैं। इस घर में कोई ग्रह नहीं है। बुध का दूसरे घर में होना बताता है कि आपके दोस्तों और उम्मीदों की बातें परिवार और बातचीत के आसपास भी दिखती हैं।

बारहवाँ घर · कर्क

ख़र्च, आराम और दूर की जगहें

आपकी कुंडली का बारहवाँ घर कर्क राशि में है। यह घर ख़र्च, आराम और दूर की जगहों को देखता है। इस घर के स्वामी चंद्र हैं, जो पहले घर में सिंह राशि में बैठे हैं। इस घर में मंगल और शुक्र दोनों बैठे हैं, और ये दोनों कर्क राशि में हैं। इन दोनों ग्रहों का इस घर में होना बताता है कि आपके आराम, ख़र्च और दूर की जगहों से जुड़ी बातें इन्हीं के साथ दिखती हैं।

अगले दस साल

महादशा	अंतर्दशा	से	तक
चंद्र	बुध	18 जून 2025	17 नवंबर 2026 (अभी)
चंद्र	केतु	17 नवंबर 2026	18 जून 2027
चंद्र	शुक्र	18 जून 2027	16 फ़रवरी 2029
चंद्र	सूर्य	16 फ़रवरी 2029	17 अगस्त 2029
मंगल	मंगल	17 अगस्त 2029	14 जनवरी 2030
मंगल	राहु	14 जनवरी 2030	1 फ़रवरी 2031
मंगल	गुरु	1 फ़रवरी 2031	8 जनवरी 2032
मंगल	शनि	8 जनवरी 2032	16 फ़रवरी 2033
मंगल	बुध	16 फ़रवरी 2033	13 फ़रवरी 2034
मंगल	केतु	13 फ़रवरी 2034	12 जुलाई 2034
मंगल	शुक्र	12 जुलाई 2034	11 सितंबर 2035
मंगल	सूर्य	11 सितंबर 2035	17 जनवरी 2036
मंगल	चंद्र	17 जनवरी 2036	17 अगस्त 2036
राहु	राहु	17 अगस्त 2036	30 अप्रैल 2039

चंद्र की महादशा, बुध की अंतर्दशा

18 जून 2025 से 17 नवंबर 2026 तक अभी चल रही है

यह बुध की अंतर्दशा है, जो चंद्र महादशा के भीतर 18 जून 2025 से 17 नवंबर 2026 तक चल रही है। बुध आपकी कुंडली में दूसरे घर में बैठे हैं, जो परिवार, वाणी और बोलचाल से जुड़ा है। बुध दूसरे घर के साथ ग्यारहवें घर के भी स्वामी हैं, यानी लाभ, दोस्त और उम्मीदें। इस दौर में परिवार की बातचीत, अपनी बात कहने के ढंग और दोस्तों से जुड़ी बातें आगे आती हैं।

चंद्र की महादशा, केतु की अंतर्दशा

17 नवंबर 2026 से 18 जून 2027 तक

यह केतु की अंतर्दशा है, जो चंद्र महादशा के भीतर 17 नवंबर 2026 से 18 जून 2027 तक चलेगी। केतु कोई घर नहीं संभालते, इसलिए उनसे जुड़ा कोई घर का स्वामित्व नहीं है। केतु आठवें घर में बैठे हैं, और यह घर बदलाव, खोज और छिपी बातों से जुड़ा है। केतु जिस राशि में हैं, उसके स्वामी गुरु हैं, जो पाँचवें घर में बैठे हैं। इस दौर में बदलाव की बातें, गहरी खोज और छिपी बातें आगे आती हैं।

चंद्र की महादशा, शुक्र की अंतर्दशा

18 जून 2027 से 16 फ़रवरी 2029 तक

चंद्र की महादशा में 18 जून 2027 से 16 फ़रवरी 2029 तक शुक्र की अंतर्दशा (महादशा के भीतर का छोटा समय) है। शुक्र आपके तीसरे और दसवें घर के स्वामी हैं। तीसरा घर हिम्मत, भाई-बहन और छोटी यात्राएँ देखता है, और दसवाँ घर काम और प्रतिष्ठा। शुक्र ख़ुद बारहवें घर में, कर्क राशि में बैठे हैं, जहाँ आराम और दूर की जगहों की बातें आती हैं। इसलिए इस दौर में हिम्मत, काम और प्रतिष्ठा के साथ आराम और दूर की जगहों के विषय आगे आते हैं।

चंद्र की महादशा, सूर्य की अंतर्दशा

16 फ़रवरी 2029 से 17 अगस्त 2029 तक

चंद्र की महादशा में 16 फ़रवरी 2029 से 17 अगस्त 2029 तक सूर्य की अंतर्दशा (महादशा के भीतर का छोटा समय) है। सूर्य आपके पहले घर के स्वामी हैं, और वह घर आप ख़ुद, आपके स्वभाव और नज़रिया को देखता है। सूर्य किसी और घर के स्वामी नहीं हैं, सिर्फ़ पहले घर के। वे ख़ुद भी पहले घर में, अपनी ही राशि सिंह में बैठे हैं। इसलिए इस दौर में आपके स्वभाव और नज़रिया से जुड़ी बातें आगे आती हैं।

मंगल की महादशा, मंगल की अंतर्दशा

17 अगस्त 2029 से 14 जनवरी 2030 तक

मंगल की अंतर्दशा (महादशा के भीतर का छोटा समय) 17 अगस्त 2029 से 14 जनवरी 2030 तक है। इस दौर में मंगल आपके चौथे और नौवें घर के स्वामी हैं, यानी उन घरों की राशि से जुड़े ग्रह। चौथा घर आपके घर, माँ और मन की शांति को देखता है। नौवां घर धर्म, शिक्षक और लंबी यात्राओं का है। इसलिए घर, परिवार और इन विषयों की बातें आगे आती हैं। मंगल आपके बारहवें घर में बैठे हैं, जहाँ आराम और दूर की जगहों का विषय जुड़ता है।

मंगल की महादशा, राहु की अंतर्दशा

14 जनवरी 2030 से 1 फ़रवरी 2031 तक

राहु की अंतर्दशा (महादशा के भीतर का छोटा समय) 14 जनवरी 2030 से 1 फ़रवरी 2031 तक है। राहु किसी घर के स्वामी (उस घर की राशि से जुड़ा ग्रह) नहीं हैं। वे आपके दूसरे घर में बैठे हैं, जो परिवार और वाणी से जुड़ा है। इस दौर में परिवार की बातचीत और बोलने के ढंग से जुड़े विषय सामने आते हैं। राहु जिस कन्या राशि में हैं, उसके स्वामी बुध भी दूसरे घर में बैठे हैं। बुध ग्यारहवें घर के भी स्वामी हैं, जो दोस्तों और उम्मीदों से जुड़ा है।

मंगल की महादशा, गुरु की अंतर्दशा

1 फ़रवरी 2031 से 8 जनवरी 2032 तक

मंगल की महादशा के भीतर गुरु की अंतर्दशा, यानी छोटा दौर, 1 फ़रवरी 2031 से 8 जनवरी 2032 तक है। गुरु आपके पाँचवें घर में धनु राशि में बैठे हैं, जो उनकी अपनी राशि है। वे पाँचवें घर के स्वामी यानी इस घर के मालिक हैं, इसलिए संतान, पढ़ाई और रचनात्मकता की बातें आगे आती हैं। वे आठवें घर के भी स्वामी हैं, जो बदलाव, खोज और छिपी बातों से जुड़ा है। इसलिए गहरी पढ़ाई, खोज और मन की छिपी बातें इस दौर में सामने आती हैं।

मंगल की महादशा, शनि की अंतर्दशा

8 जनवरी 2032 से 16 फ़रवरी 2033 तक

मंगल की महादशा के भीतर शनि की अंतर्दशा, यानी छोटा दौर, 8 जनवरी 2032 से 16 फ़रवरी 2033 तक है। शनि आपके आठवें घर में मीन राशि में बैठे हैं। वे छठे घर के स्वामी हैं, जो रोज़ के काम, सेवा और रुकावटें पार करने से जुड़ा है। वे सातवें घर के भी स्वामी हैं, जो साझेदारी और विवाह से जुड़ा है। इसलिए काम की ज़िम्मेदारियाँ और साथी के साथ की बातें इस दौर में आगे आती हैं। आठवें घर में होने से छिपी बातें भी साथ जुड़ती हैं।

मंगल की महादशा, बुध की अंतर्दशा

16 फ़रवरी 2033 से 13 फ़रवरी 2034 तक

यह बुध की अंतर्दशा है, यानी मंगल के बड़े समय के भीतर का छोटा हिस्सा, जो 16 फ़रवरी 2033 से 13 फ़रवरी 2034 तक है। बुध आपकी कुंडली में दूसरे घर और ग्यारहवें घर के स्वामी हैं। वे ख़ुद दूसरे घर में कन्या राशि में बैठे हैं, जो उच्च राशि मानी जाती है। इसलिए इस दौर में परिवार, वाणी और बोलचाल की बातें आगे आती हैं। ग्यारहवाँ घर दोस्तों और उम्मीदों का है, तो मेल-जोल और नई उम्मीदों की बातें भी सामने आती हैं।

मंगल की महादशा, केतु की अंतर्दशा

13 फ़रवरी 2034 से 12 जुलाई 2034 तक

यह केतु की अंतर्दशा है, यानी मंगल के बड़े समय के भीतर का छोटा हिस्सा, जो 13 फ़रवरी 2034 से 12 जुलाई 2034 तक है। केतु आपकी कुंडली में आठवें घर में, मीन राशि में बैठे हैं। केतु किसी घर के स्वामी नहीं हैं। जिस राशि में केतु हैं, उसके स्वामी गुरु हैं, जो पाँचवें घर में बैठे हैं। आठवाँ घर बदलाव, खोज और छिपी बातों का है। इस दौर में बदलाव और छिपी बातों की ओर ध्यान जाता है।

मंगल की महादशा, शुक्र की अंतर्दशा

12 जुलाई 2034 से 11 सितंबर 2035 तक

शुक्र की अंतर्दशा, यानी मंगल की महादशा के भीतर का छोटा समय, 12 जुलाई 2034 से 11 सितंबर 2035 तक रहता है। शुक्र आपकी कुंडली में तीसरे और दसवें घर के स्वामी हैं, और बारहवें घर में बैठे हैं। तीसरा घर हिम्मत, भाई-बहन और छोटी यात्राओं को देखता है। दसवाँ घर काम और प्रतिष्ठा को। बारहवाँ घर आराम और दूर की जगहों को। इस दौर में काम और पहचान, भाई-बहन से जुड़ी बातें, छोटे सफ़र और आराम के पल आगे आते हैं।

मंगल की महादशा, सूर्य की अंतर्दशा

11 सितंबर 2035 से 17 जनवरी 2036 तक

सूर्य की अंतर्दशा, यानी मंगल की महादशा के भीतर का छोटा समय, 11 सितंबर 2035 से 17 जनवरी 2036 तक रहता है। सूर्य आपकी कुंडली में पहले घर के स्वामी हैं, और वे पहले घर में, सिंह राशि में बैठे हैं। पहला घर आप ख़ुद, आपके स्वभाव और नज़रिए को देखता है। इस दौर में आपका अपना स्वभाव, आपकी सोच और आपकी पहचान की बातें आगे आती हैं।

मंगल की महादशा, चंद्र की अंतर्दशा

17 जनवरी 2036 से 17 अगस्त 2036 तक

मंगल की महादशा, यानी बड़ा समय-काल, के भीतर चंद्र की अंतर्दशा, यानी उसके बीच का छोटा समय, 17 जनवरी 2036 से 17 अगस्त 2036 तक है। चंद्र आपकी कुंडली के पहले घर में बैठे हैं, इसलिए आप ख़ुद, आपका स्वभाव और आपका नज़रिया इस समय आगे आते हैं। चंद्र बारहवें घर के स्वामी भी हैं, यानी उस घर की बातें इन्हीं से जुड़ी हैं। बारहवाँ घर आराम और दूर की जगहों का घर माना जाता है। इस दौर में आराम और दूर की जगहों से जुड़ी बातें आपके सामने आती हैं।

राहु की महादशा, राहु की अंतर्दशा

17 अगस्त 2036 से 30 अप्रैल 2039 तक

राहु की महादशा, यानी बड़ा समय-काल, के भीतर राहु की अंतर्दशा, यानी उसका छोटा समय, 17 अगस्त 2036 से 30 अप्रैल 2039 तक रहता है। राहु कोई घर नहीं चलाते। वे आपकी कुंडली के दूसरे घर में बैठे हैं, इसलिए परिवार और बोलचाल से जुड़ी बातें इस समय आगे आती हैं। जिस राशि में राहु हैं, उसके स्वामी, यानी मालिक ग्रह, बुध हैं, और बुध भी दूसरे घर में ही बैठे हैं। इसलिए वाणी और घर के लोगों के साथ की बातचीत पर ध्यान अधिक जाता है।

साढ़े साती

साढ़े साती वह दौर है जब शनि आपकी चंद्र राशि से बारहवीं राशि, चंद्र की अपनी राशि और उससे दूसरी राशि से होकर गुज़रते हैं। यह दौर लगभग साढ़े सात साल का होता है। आपकी चंद्र राशि सिंह है, इसलिए यह गिनती सिंह से की जाती है।

ये तारीख़ें आकाश में शनि की चाल से गिनी जाती हैं, चंद्र राशि से। यह गिनती शनि की चाल पर टिकी है, किसी और कुंडली पर नहीं।

अभी आपकी साढ़े साती नहीं चल रही, इसलिए इसका कोई चरण आज नहीं है। आज शनि मीन राशि में हैं।

पिछली साढ़े साती 6 सितंबर 2004 से 4 अगस्त 2012 तक चली। इसका पहला चरण 6 सितंबर 2004 से था, बीच का चरण 1 नवंबर 2006 से और आख़िरी चरण 10 सितंबर 2009 से।

अगली साढ़े साती 13 जुलाई 2034 से शुरू होती है और 26 सितंबर 2041 तक चलती है। इसका पहला चरण 13 जुलाई 2034 से है, बीच का चरण 27 अगस्त 2036 से और आख़िरी चरण 22 अक्टूबर 2038 से।

साढ़े साती	पहला चरण (चंद्र से 12वीं राशि)	बीच का चरण (चंद्र राशि पर)	आख़िरी चरण (चंद्र से दूसरी राशि)
6 सितंबर 2004 से 4 अगस्त 2012 तक	6 सितंबर 2004	1 नवंबर 2006	10 सितंबर 2009
13 जुलाई 2034 से 26 सितंबर 2041 तक	13 जुलाई 2034	27 अगस्त 2036	22 अक्टूबर 2038
24 अगस्त 2063 से 4 नवंबर 2070 तक	24 अगस्त 2063	13 अक्टूबर 2065	30 अगस्त 2068

हर साढ़े साती शनि के चंद्र से 12वीं राशि में पहली बार आने से लेकर दूसरी राशि से आख़िरी बार निकलने तक गिनी गई है, इसलिए उल्टी चाल से लौटना भी इसके अंदर है।

मांगलिक

मांगलिक का मतलब है कि कुंडली में मंगल कुछ ख़ास घरों में बैठे हों। लग्न, चंद्रमा या शुक्र, इनमें से किसी एक से गिनें तो पहले, दूसरे, चौथे, सातवें, आठवें या बारहवें घर में मंगल हों, तो कुंडली मांगलिक कहलाती है। आपकी कुंडली में मंगल कर्क राशि में हैं। लग्न से मंगल बारहवें घर में बैठे हैं। चंद्रमा से भी मंगल बारहवें घर में हैं। शुक्र से मंगल पहले घर में हैं। इन्हीं घरों की वजह से आपकी कुंडली मांगलिक दर्ज है।

आपकी कुंडली के योग

योगकारक

मंगल आम है: बहुत-सी कुंडलियों में होता है।

योगकारक योग तब बनता है जब एक ही ग्रह केंद्र और त्रिकोण, दोनों घरों का स्वामी हो। केंद्र लग्न से चौथा, सातवाँ या दसवाँ घर है, और त्रिकोण पहला, पाँचवाँ या नौवाँ घर है। सिंह लग्न के लिए मंगल चौथे घर (केंद्र) और नौवें घर (त्रिकोण) के स्वामी हैं, इसलिए यह योग आपकी कुंडली में बनता है। मंगल कर्क राशि में बारहवें घर में बैठे हैं। 100 में से लगभग 50 कुंडलियों में यह योग मिलता है, इसलिए यह आम है।

राजयोग

मंगल, शुक्र आम है: बहुत-सी कुंडलियों में होता है।

राजयोग तब बनता है जब केंद्र का स्वामी और त्रिकोण का स्वामी एक ही राशि में बैठे हों। केंद्र लग्न से गिने जाने वाले पहले, चौथे, सातवें और दसवें घर हैं। मंगल चौथे घर के स्वामी हैं, जो केंद्र है, और नौवें घर के स्वामी हैं, जो त्रिकोण है। शुक्र दसवें घर के स्वामी हैं, जो केंद्र है। ये दोनों ग्रह कर्क राशि में बारहवें घर में साथ बैठे हैं। हर 100 कुंडलियों में से लगभग 68 में यह योग मिलता है, इसलिए यह आम योग है।

कितना आम: साइट की गणना को 1940 से 2025 के बीच 10,000 भारतीय जन्मों पर चलाकर गिना गया।

नवांश (D9)

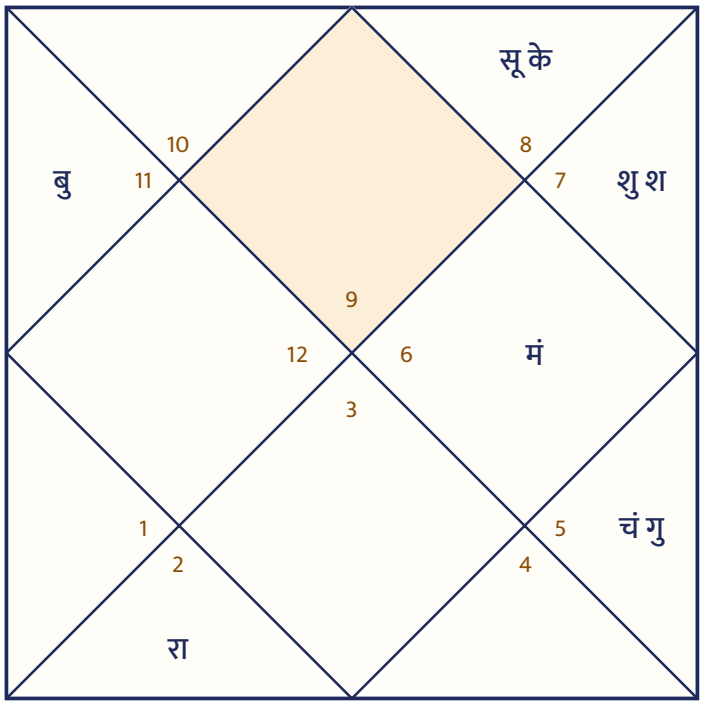

नवांश (D9), उत्तर भारतीय ढंग से। ऊपर का हीरा नवांश का अपना लग्न है।

नवांश वह बारीक कुंडली है, जिसमें हर राशि को नौ हिस्सों में बाँटकर ग्रहों की ताक़त को और ध्यान से देखा जाता है।

आपका नवांश लग्न धनु राशि है। नवांश लग्न वह राशि है, जो नवांश कुंडली में सबसे पहले उदित होती है।

चंद्र जन्म कुंडली में भी सिंह राशि में हैं और नवांश में भी सिंह राशि में हैं। ऐसे ग्रह को वर्गोत्तम कहते हैं, यानी जिसकी राशि दोनों कुंडलियों में एक ही हो। इससे दिखता है कि आपके चंद्र की छाप नवांश में भी उतनी ही साफ़ रहती है।

शनि नवांश में तुला राशि में हैं, और वहाँ वे उच्च राशि में हैं। उच्च राशि वह जगह है, जहाँ ग्रह को अपनी सबसे मज़बूत स्थिति माना जाता है। इससे नवांश में शनि की ताक़त खुलकर सामने आती है।

शुक्र भी नवांश में तुला राशि में हैं, जो उनकी स्वराशि है, यानी उन्हीं का अपना घर।

नानी की आख़िरी बात

आपका लग्न सिंह है, यानी जन्म के समय उगती राशि, और इसके स्वामी सूर्य पहले घर में अपनी ही राशि में बैठे हैं। इससे आपका स्वभाव दिल से उदार दिखता है, जो सबको साथ लेकर चलता है। बेटा, चंद्रमा भी सिंह राशि में पहले घर में हैं। इससे आपका मन ख़ुद को सम्मान देने वाला और दूसरों के लिए उदार दिखता है। चंद्रमा पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के पहले चरण में हैं, यानी आकाश का वह हिस्सा जहाँ जन्म के समय चंद्रमा था। इससे रिश्तों में गर्मजोशी की बात आती है। अभी चंद्रमा की महादशा चल रही है, यानी किसी ग्रह का लंबा काल, जो 2029 तक है। इसके भीतर बुध की अंतर्दशा 17 नवंबर 2026 तक है। इस दौर में परिवार और बोल-चाल से जुड़ी बातें आगे आती हैं, क्योंकि बुध दूसरे घर में बैठे हैं।

नानी

आपके ज्योतिषी के लिए

ये तालिकाएँ पंडित जी या कुंडली पढ़ने वाले किसी के लिए हैं। समय भारतीय मानक समय में है।

ग्रह

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	नक्षत्र स्वामी	घर	किन घरों का स्वामी	ग्रह की हालत	गति	नवांश
लग्न	सिंह	26°54′	उत्तरा फाल्गुनी	1	सूर्य	1	–	–	–	धनु
सूर्य	सिंह	25°44′	पूर्वा फाल्गुनी	4	शुक्र	1	1	स्वराशि	मार्गी	वृश्चिक
चंद्र	सिंह	15°23′	पूर्वा फाल्गुनी	1	शुक्र	1	12	मित्र राशि	मार्गी	सिंह
मंगल	कर्क	7°34′	पुष्य	2	शनि	12	4, 9	कमज़ोर राशि (नीच)	मार्गी	कन्या
बुध	कन्या	6°29′	उत्तरा फाल्गुनी	3	सूर्य	2	2, 11	मज़बूत राशि (उच्च)	वक्री	कुंभ
गुरु	धनु	14°07′	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	5	5, 8	स्वराशि	मार्गी	सिंह
शुक्र	कर्क	11°22′	पुष्य	3	शनि	12	3, 10	शत्रु राशि	मार्गी	तुला
शनि	मीन	11°17′	उत्तरा भाद्रपद	3	शनि	8	6, 7	सम राशि	वक्री	तुला
राहु	कन्या	15°07′	हस्त	2	चंद्र	2	–	–	वक्री	वृषभ
केतु	मीन	15°07′	उत्तरा भाद्रपद	4	शनि	8	–	–	वक्री	वृश्चिक

घर

घर	राशि	स्वामी	स्वामी कहाँ है	ग्रह	किन बातों का घर
1	सिंह	सूर्य	1	सूर्य, चंद्र	आप ख़ुद, आपका स्वभाव और नज़रिया
2	कन्या	बुध	2	बुध, राहु	परिवार, वाणी और बचत
3	तुला	शुक्र	12	–	हिम्मत, भाई-बहन और छोटी यात्राएँ
4	वृश्चिक	मंगल	12	–	घर, माँ और मन की शांति
5	धनु	गुरु	5	गुरु	संतान, पढ़ाई और रचनात्मकता
6	मकर	शनि	8	–	रोज़ का काम, सेवा और रुकावटें पार करना
7	कुंभ	शनि	8	–	साझेदारी और विवाह
8	मीन	गुरु	5	शनि, केतु	बदलाव, खोज और छिपी बातें
9	मेष	मंगल	12	–	धर्म, शिक्षक और लंबी यात्राएँ
10	वृषभ	शुक्र	12	–	काम और प्रतिष्ठा
11	मिथुन	बुध	2	–	लाभ, दोस्त और उम्मीदें
12	कर्क	चंद्र	1	मंगल, शुक्र	ख़र्च, आराम और दूर की जगहें

विंशोत्तरी महादशाएँ

महादशा	से	तक	साल
शुक्र	17 अगस्त 1993	17 अगस्त 2013	20
सूर्य	17 अगस्त 2013	18 अगस्त 2019	6
चंद्र	18 अगस्त 2019	17 अगस्त 2029	10
मंगल	17 अगस्त 2029	17 अगस्त 2036	7
राहु	17 अगस्त 2036	18 अगस्त 2054	18
गुरु	18 अगस्त 2054	18 अगस्त 2070	16
शनि	18 अगस्त 2070	17 अगस्त 2089	19
बुध	17 अगस्त 2089	19 अगस्त 2106	17
केतु	19 अगस्त 2106	18 अगस्त 2113	7

अयनांश: लाहिड़ी, जन्म के समय 23°49′। घर: पूरी राशि। राहु-केतु: मध्यम। दशा का साल: 365.25 दिन।

इस रिपोर्ट के बारे में

यह एक नमूना है। इसमें व्यक्ति काल्पनिक है, और जन्म का विवरण भी।

कॉस्मिक नानी (cosmicnani.com) ने बनाई। कुंडली सॉफ़्टवेयर ने गिनी है: निरयण राशिचक्र, लाहिड़ी अयनांश, पूरी राशि वाले घर, विंशोत्तरी दशा और मध्यम राहु-केतु।

नानी एक AI किरदार हैं। लेख AI (Anthropic का Claude) ने इसी गणना से लिखा है।

6 नवंबर 2026 को बनाया गया नमूना।

विक्रेता

विक्रेता: ResumeGuru India (प्रोप्राइटर रोहित गोयल), Basement, Plot No. 323, Phase 2, Panchkula Industrial Area, Panchkula, Haryana 134113। GSTIN 06DLSPG2024N1ZU।

सहायता और शिकायत: resumeguru24@gmail.com, +91 82830 74770। शिकायत अधिकारी: रोहित गोयल, प्रोप्राइटर।